श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने उद्योग प्रासंगिक कौशल के साथ युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कौशल रथ को हरी झंडी दिखाई

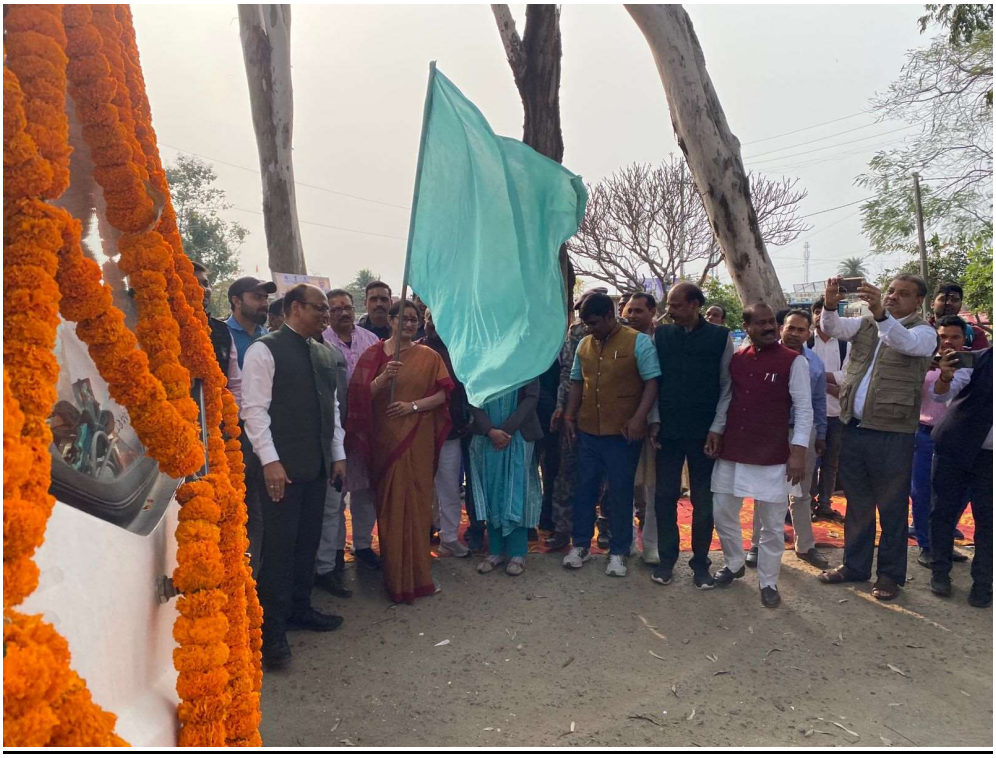

कोडरमा, झारखंड, 27 फरवरी, 2024: ग्रामीण इलाकों में कौशल प्रशिक्षण लाने और समुदायों में सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए, **माननीय केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी** ने आज झारखंड के कोडरमा के झुमरी तेलैया में कौशल रथ - सुदूर क्षेत्रों में इच्छुक उम्मीदवारों को कौशल प्रशिक्षण और प्रमाण-पत्र प्रदान करने वाली एक विशेष बस - को हरी झंडी दिखाई।

यह बस अत्याधुनिक टूल्स, उपकरणों और प्रौद्योगिकी से सुसज्जित जो युवाओं की मांग-संचालित कौशल क्षमताओं को समृद्ध करने और उद्योगों में सार्थक रोजगार के अवसरों के मार्ग खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह पहल पिछड़े क्षेत्रों के उत्थान, उनके जीवन स्तर को बढ़ाने, समावेशी विकास को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर प्रभाव डालने के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के साथ पूर्ण रूप से संरेखित है।

इस शुभारंभ के अवसर पर माननीय केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा, “माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के अंतर्गत मंत्रालय ने यह सुनिश्चित

करने के लिए कई कौशल विकास पहल की हैं जिनसे युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रमों का लाभ मिले। कौशल रथ युवाओं को कौशल प्रदान करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने, पलायन को कम करने और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

"युवाओं में अपार क्षमता है और हमें सभी को सही अवसर प्रदान करने और उनकी प्रतिभा को प्रभावी ढंग से उपयोग करने की आवश्यकता है। माननीय मंत्री जी ने कहा, जागरूकता पैदा करने, पेशेवर करियर को आकार देने और पेशेवर विकास को बढ़ाने वाले मार्ग स्थापित करने के प्रयासों के लिए मैं एनएसडीसी की सराहना करता हूं।

शैक्षिक ज्ञान को व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ एकीकृत करके, यह पहल नवीनतम टूल्स और उपकरणों के साथ उनकी अभिज्ञता को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करती है और उन्हें इन अर्जित कौशल को वास्तविक जीवन सेटिंग्स में कार्यान्वित करने की अनुमति देती है। यह भौगोलिक विभाजन को पाटने, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने और नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे उद्योगों में जॉब के परिदृश्य को विकसित करने में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल के साथ व्यक्तियों को सशक्त बनाने में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है।

कौशल रथ युवाओं के लिए उद्यमशीलता मानसिकता, डिजिटल साक्षरता और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने में सहायता करता है। इन सतत प्रयासों के माध्यम से, कौशल रथ रोजगार और कौशल के लिए वन-स्टॉप जागरूकता वाहन के रूप में स्थापित होता है जो आज के चुस्त और प्रतिस्पर्धी जॉब बाजार की चुनौतियों और अवसरों के लिए व्यक्तियों को तैयार करने में इस पहल के ठोस प्रभाव को प्रदर्शित करता है।

इसके अलावा, यह वंचित समूहों की क्षमता का उपयोग करने में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य करता है जो उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि के आधार पर सही पाठ्यक्रमों की सिफारिश करता है, आजीवन शिक्षण को बढ़ावा देता है और उनके कौशल सेट का पोषण करता है जो उभरते जॉब बाजार की चुनौतियों का सामना करने में सहयोग प्रदान करता है।

यह सॉफ्ट स्किल्स, व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास निर्माण में प्रशिक्षण प्रदान करता है जो बदले में युवा उम्मीदवारों को बेहतर करियर संभावनाएं प्राप्त करने में मदद करेगा और साथ ही नियोक्ताओं को उनके व्यवसायों की उत्पादकता और दक्षता में सुधार करने में सहायता करेगा।

एनएसडीसी सीएसआर का स्पष्ट मिशन भारत के कौशल विकास परिदृश्य में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच के अंतराल को कम करके प्रभावशाली बदलाव लाना है। कौशल पहल को अपने दृष्टिकोण में अधिक सुगम और सुलभ बनाने हेतु यह लागत प्रभावी बसों की स्थापना में सहायता करता है जो लंबी दूरी तय करती हैं और उनके कार्यक्रमों में युवाओं की भागीदारी में सुधार करती हैं।

प्रशिक्षण इकोसिस्टम के निर्बाध कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, एनएसडीसी कार्यान्वयन भागीदारों के साथ सहयोग करता है ताकि गतिशीलता और परामर्श कार्यनीति विकास के लिए सहायता प्रदान की जा सके। इसके अलावा, जिला स्तर पर कौशल आवश्यकताओं की व्यवस्थित मैपिंग पाठ्यक्रम तैयार करने तथा कार्यबल की मांग और आपूर्ति में मौजूदा रुझानों की खोज करने में सहायता करती है। इसके बाद जागरूकता अभियान और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी जो कार्यक्रम के लाभों को बड़े दर्शकों तक पहुंचाएंगी।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के बारे में

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) देश में कौशल इकोसिस्टम का प्रमुख वास्तुकार है। यह भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत कार्य करने वाला एक अनूठा सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) उद्यम है। एनएसडीसी की स्थापना निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कौशल इकोसिस्टम को उत्प्रेरित करने और भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कुशल व्यावसायिक प्रशिक्षण पहल बनाने के लिए कुशल भारत मिशन के कार्यनीतिक कार्यान्वयन और ज्ञान भागीदार बनने के उद्देश्य से की गई थी। एनएसडीसी उन उद्यमों, स्टार्ट-अप, कंपनियों और संगठनों को सहायता प्रदान करता है जो संभावित कार्यबल को भावी कौशल में अवसरों की दुनिया की पेशकश करके प्रभाव पैदा कर रहे हैं। यह संगठन पात्र संस्थाओं को वित्तीय सहायता, उम्मीदवारों को रियायती ऋण के साथ-साथ अन्य नवीन वित्तीय उत्पादों की पेशकश करके और कार्यनीतिक भागीदारी बनाकर कौशल में निजी क्षेत्र की पहल को बढ़ाने, सहयोग और समन्वय करने के लिए उपयुक्त मॉडल विकसित करता है।